मछली की कहानी

मछली की कहानी

"मैं यहाँ से बाहर निकलने के लिए तड़फ रही हूँ!"
छोटी मछली ने कहा.
“मैं उसी ताल में तैरते-तैरते थक गई हूं.
अब मुझे एक बड़ा तालाब चाहिए.”
किनारे पर टहलते हुए बड़ी बिल्ली ने यह बात सुनी.

"क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूं?"
बड़ी बिल्ली ने पूछा.
"मैं दुनिया देखना चाहती हूं," छोटी मछली ने कहा.
"दुनिया बड़ी सुंदर है, वास्तव में बेहद सुंदर,"
बड़ी बिल्ली ने कहा.
"फूल... पेड़... सागर सब कुछ हैं,
बस उस पहाड़ी के ऊपर."
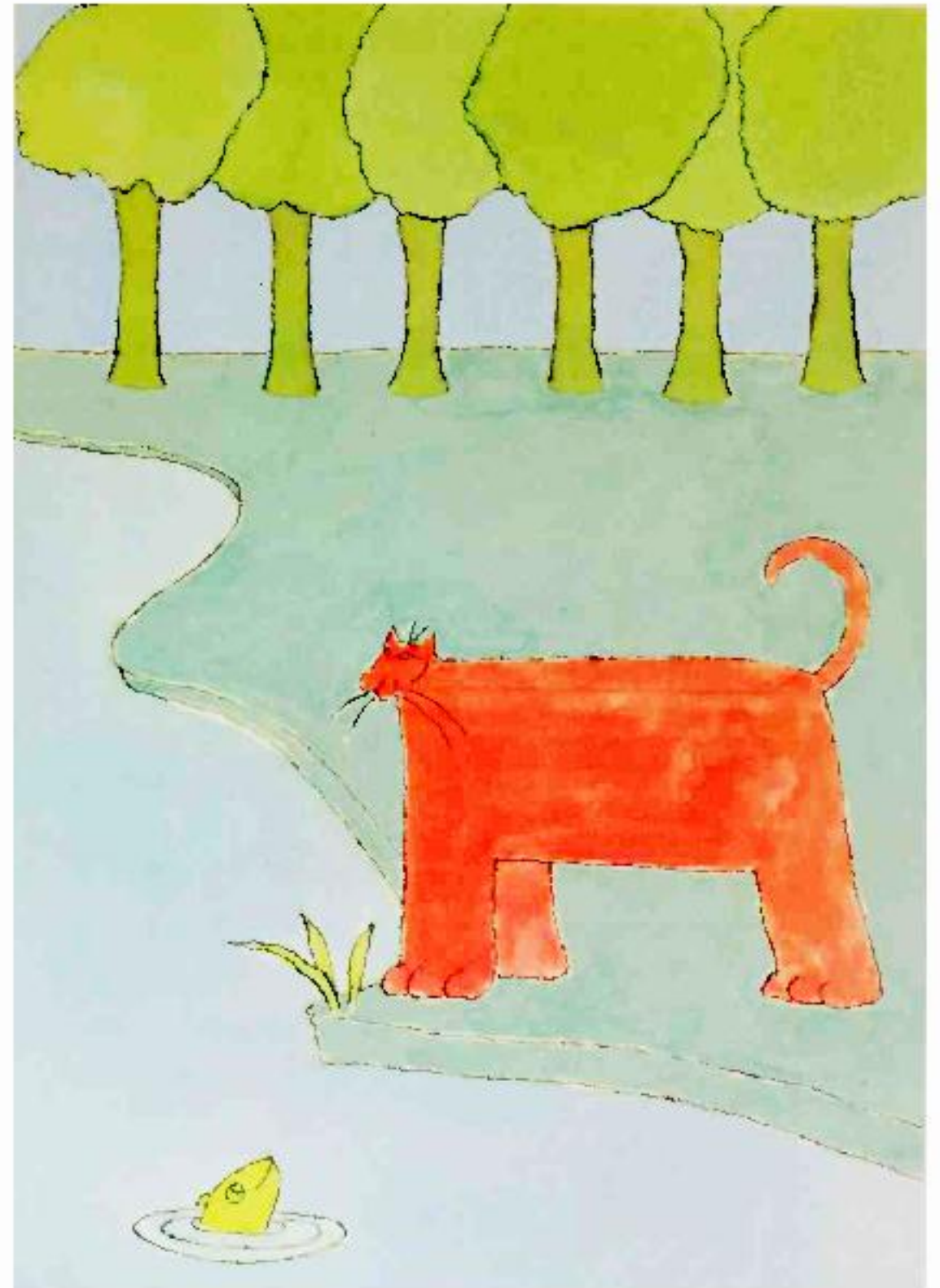
"सागर! बूढ़ी मछली ने मुझे समुद्र के बारे में बताया था,"
छोटी मछली ने कहा.
"क्या तुम मुझे वहाँ ले जा सकती हो?"
"बेशक," बड़ी बिल्ली ने कहा.
“लेकिन पहले, मुझे घर जाना होगा और तुम्हें ले
जाने के लिए एक प्लास्टिक का थैला लाना होगा."
"कृपया जल्दी वापस आना,"
छोटी मछली ने विनती की.

बड़ी बिल्ली एक बड़े थैले के साथ लौटी.

उसके पास प्लास्टिक की थैली थी.

उसने उसे पानी में डुबोया.

छोटी मछली थैली के अंदर घुसी.

"धन्यवाद," छोटी मछली ने कहा.

“मैं एक दिन तुम्हारी दया का बदला ज़रूर चुकाऊँगी."

"नहीं, एक दोस्त की मदद करके मुझे ख़ुशी होगी,"

बड़ी बिल्ली ने अपने होंठों को चाटते हुए कहा.
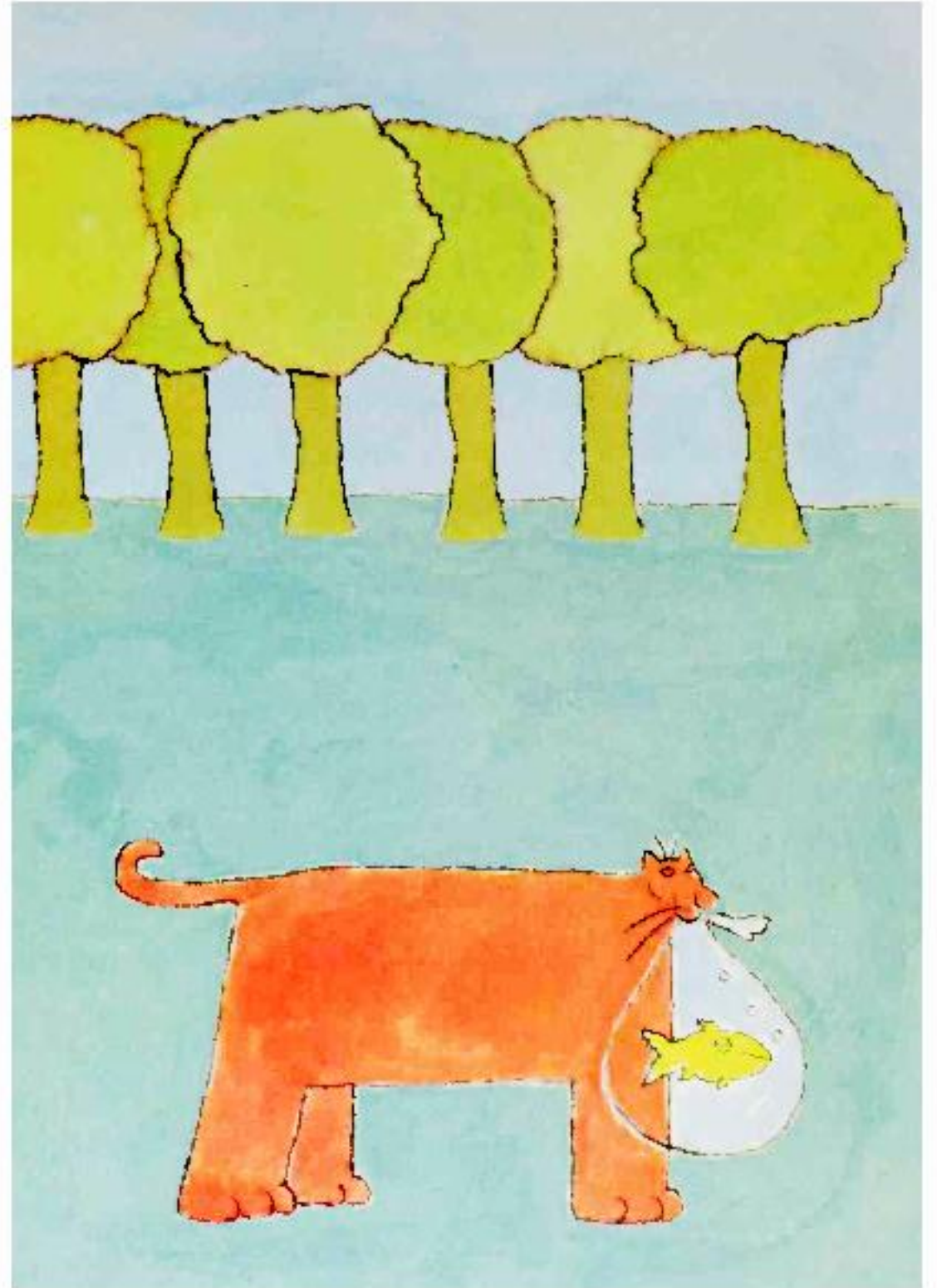
बड़ी बिल्ली जंगल में से होकर भागी.

"क्या वो फूल है? .... कितना सुंदर है?"

छोटी मछली ने पूछा.

"हाँ, वो एक फूल है," बड़ी बिल्ली ने कहा.

"क्या वो पक्षी है?"

"हाँ," बड़ी बिल्ली घुर्राई.

"क्या हम यहाँ कुछ देर रुक सकते हैं?"

छोटी मछली ने पूछा.

"नहीं," बड़ी बिल्ली चिल्लाई.

"समुद्र कहाँ है?" छोटी मछली ने पूछा.

"बस पहाड़ी के उस पार," बड़ी बिल्ली ने कहा.

"अब, तुम चुप रहो! तुम बहुत सवाल पूछ रही हो."

"मुझे माफ़ करो," छोटी मछली ने कहा,

"लेकिन मेरे लिए यह सब कुछ बहुत नया है."

बड़ी बिल्ली पहाड़ी पर तेज़ी से चढ़ी
और फिर एक गंदे से घर में घुसी.
“क्या यही समुद्र है? "छोटी मछली ने पूछा.
"हाँ, अब तुम्हारी यात्रा यहीं पर खत्म होगी,"
बड़ी बिल्ली ने कहा.
छोटी मछली ने वहां कई बर्तन देखे.
और दीवारों पर लटकी एक कड़ाही देखी.
"क्या यह जगह ... क्या यही समुद्र है?"
उसने पूछा.
"नहीं ... यह मेरी रसोई है! बेवकूफ मछली,"
बड़ी बिल्ली ने कहा.
"और अब मैं तुम्हें पकाने जा रही हूँ!"
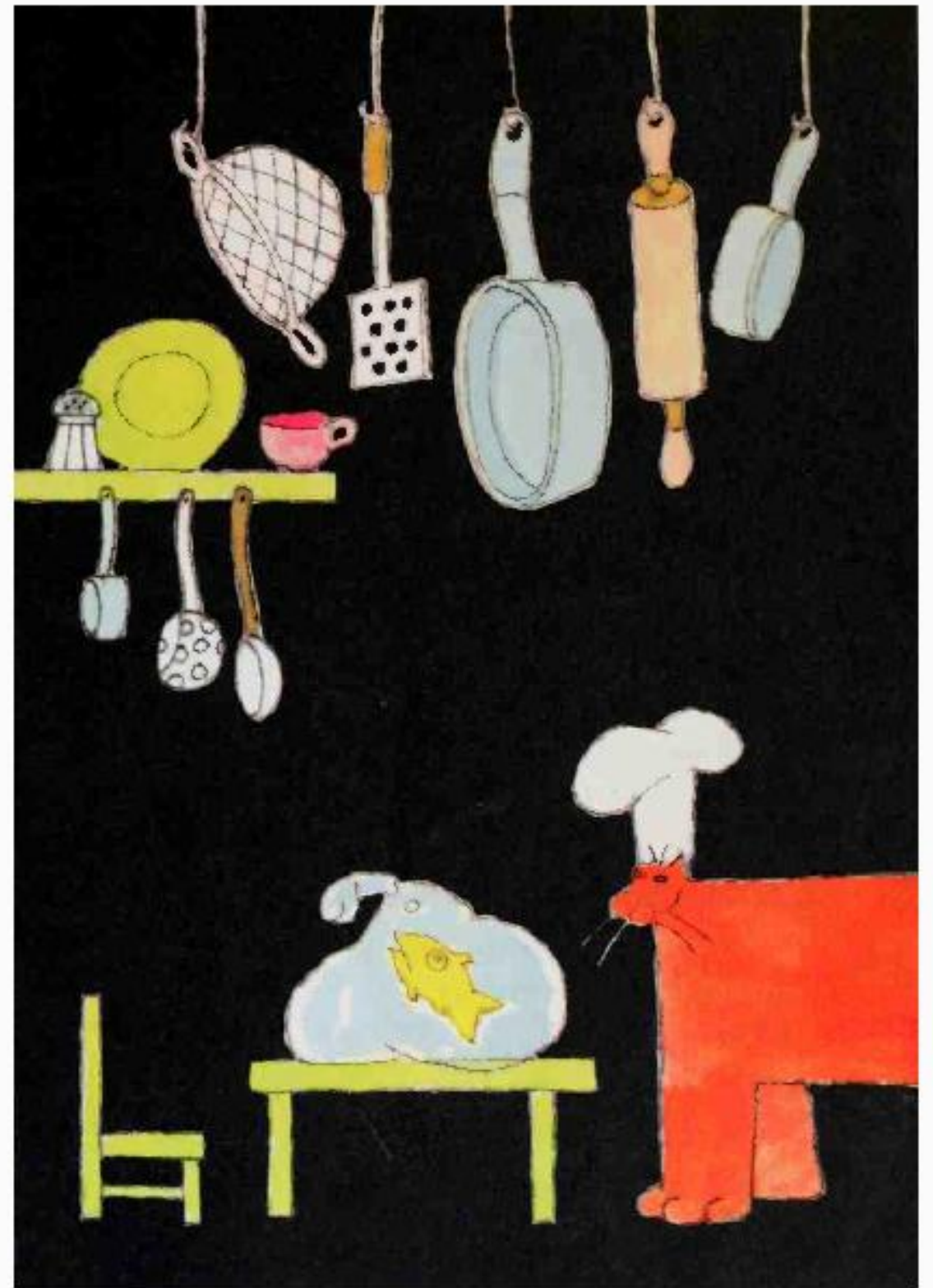
छोटी मछली डर के मारे कांपने लगी.

"मुझे क्यों?" उसने पूछा.

बड़ी बिल्ली ख़ुशी से एक गीत गुनगुनाने लगी.

उसने अपने पंजे से कड़ाही में तेल डाला.

"क्या बूढ़ी मछली ने तुम्हें कभी बिल्लियों और मछलियों के बारे में नहीं बताया?” उसने पूछा.

"क्या आप ... ... बिल्ली हैं?" छोटी मछली ने पूछा.

"हाँ, मेरा नाम बड़ी बिल्ली है.

और मैं अब तुम्हें खाने जा रही हूं... .

वैसी मेरा तुमसे कोई निजी बैर नहीं है."
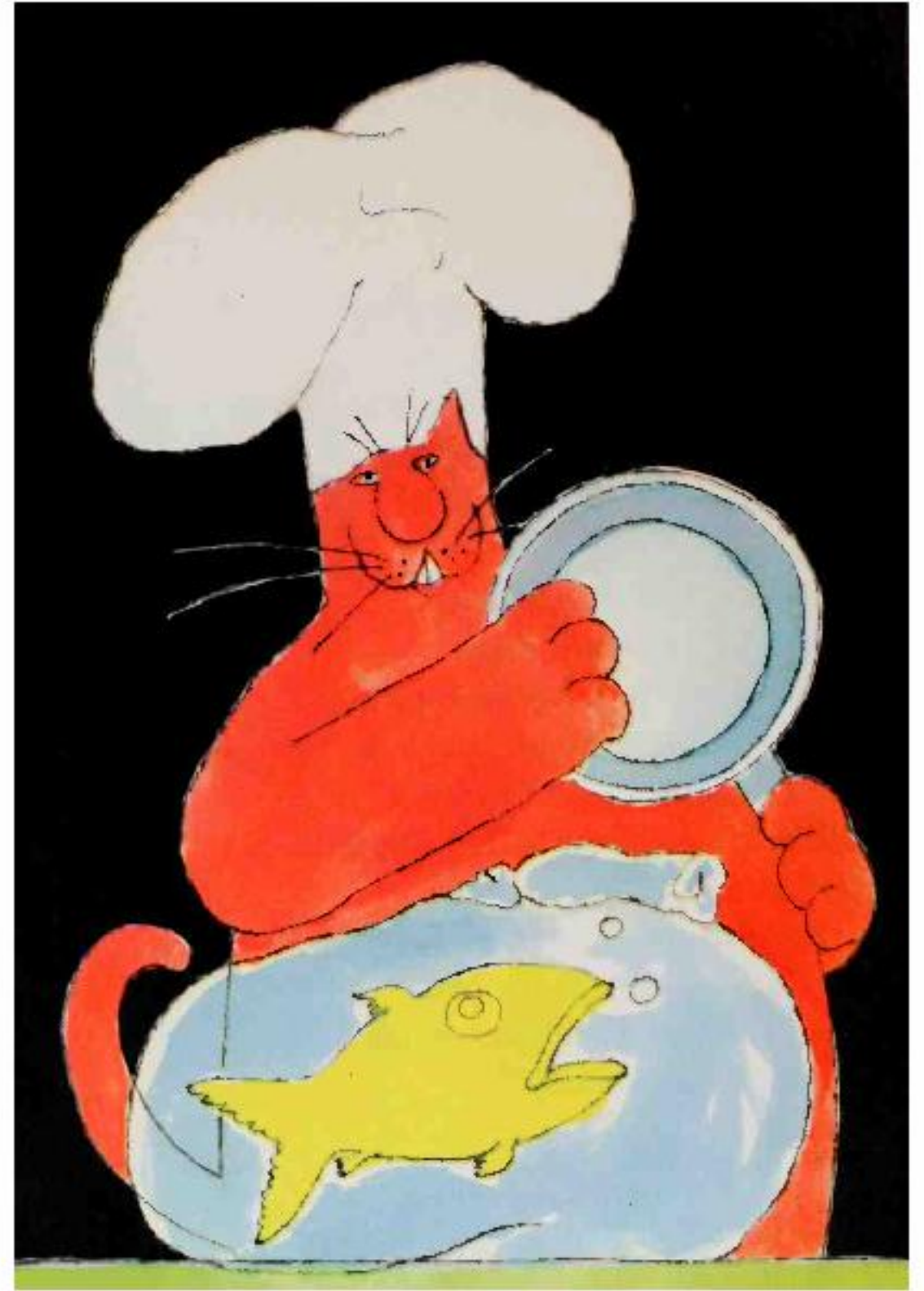
"लेकिन मेरे शरीर में तो सिर्फ हड्डियाँ ही हैं,"

छोटी मछली ने रोते हुए कहा.

"चुप रहो! मैं इस कुक-बुक को पढ़ने की

कोशिश कर रही हूँ," बड़ी बिल्ली ने गुस्से में डांटा.

"अच्छा! उबला हुआ.. बेक किया हुआ.... .

साथ में बादाम और क्रीम ...!

अचार के साथ तली हुई मछली,

मक्खन, केले के चिप्स, केचप

सरसों के साथ! मैं भूख से मर रही हूं!"

"कृपया रुको! बड़ी बिल्ली," छोटी मछली चिल्लाई.

"ज़रा मुझे देखो. मेरे सिकुड़े शरीर में सिर्फ हड्डियाँ ही हैं.

मैं तुम्हारे लिए सिर्फ नाश्ता ही बनूंगी!

लेकिन मैं एक बड़ी विशाल मछली को जानती हूं. . .

इतनी बड़ी मछली कि उससे तुम्हारी रसोई भर जाएगी."
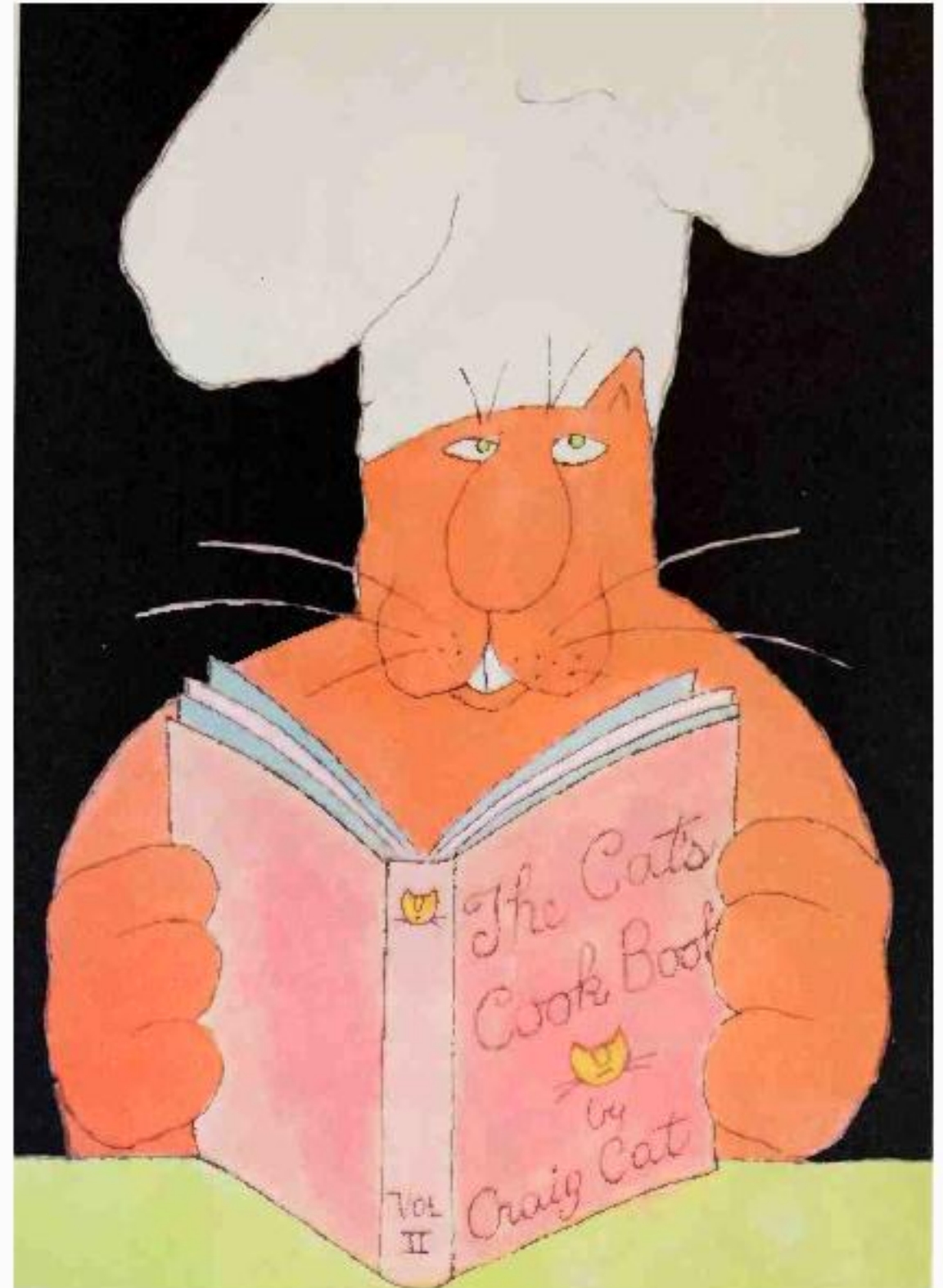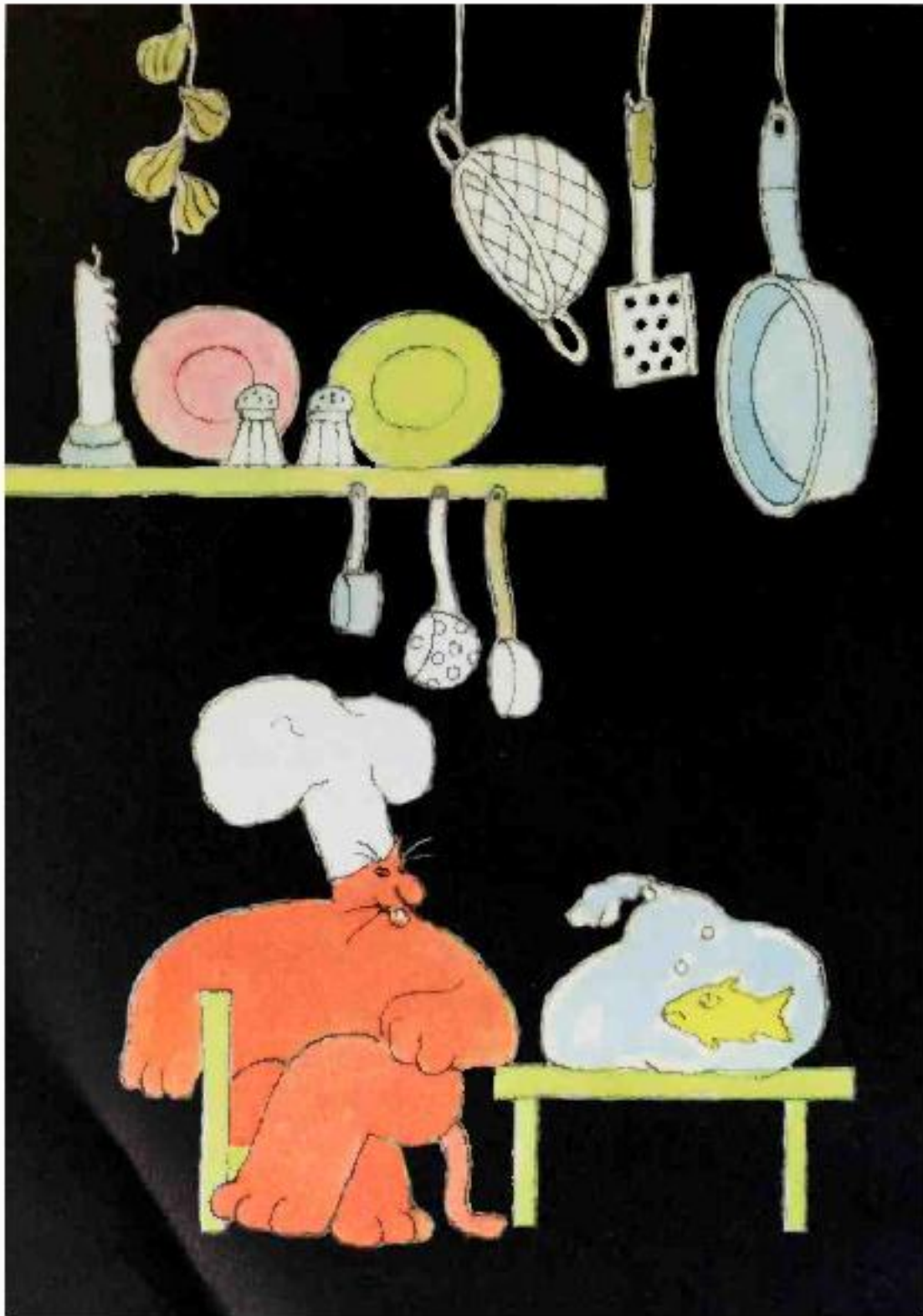
बड़ी बिल्ली ने छोटी मछली को देखा.
"पर वो बड़ी मछली कहाँ है?" उसने पूछा.
“तालाब में. वो इतनी बड़ी है कि तुम
उसे एक महीने तक खा सकोगी," छोटी मछली ने कहा.
“अगर तुम मुझे वापस तालाब ले जाओ,
तो मैं उसे तुम्हारे लिए लाऊँगी."
"कैसे?" बड़ी बिल्ली ने पूछा.
"क्या तुम्हारे पास कुछ केचप है?" छोटी मछली ने पूछा.
"उसका तुम क्या करोगी?" बड़ी बिल्ली ने पूछा.
"बड़ी मछली को केचप बेहद पसंद है."
"सच में?” बड़ी बिल्ली ने आश्चर्य से पूछा.
"तुम बस मुझे तालाब वापस ले जाओ,"
छोटी मछली ने कहा.
"कुछ केचप और एक डोर लो
और फिर मुझे तालाब में छोड़ दो."

बड़ी बिल्ली ने एक प्लास्टिक की थैली में
छोटी मछली को रखा,
और एक दूसरे थैली में केचप रखा.
और फिर वो वापस तालाब की ओर तेज़ी से दौड़ी.

उसने छोटी मछली को तालाब में डाल दिया,
फिर उसने डोर से केचप वाली थैली को लटकाया.
छोटी मछली थैली में से तेज़ी से बाहर तैरकर निकली.
“तालाब में वापस आकर मुझे कितना सुखद
लग रहा है," उसने सोचा.
और फिर वो तालाब में चारों ओर तैरती रही.
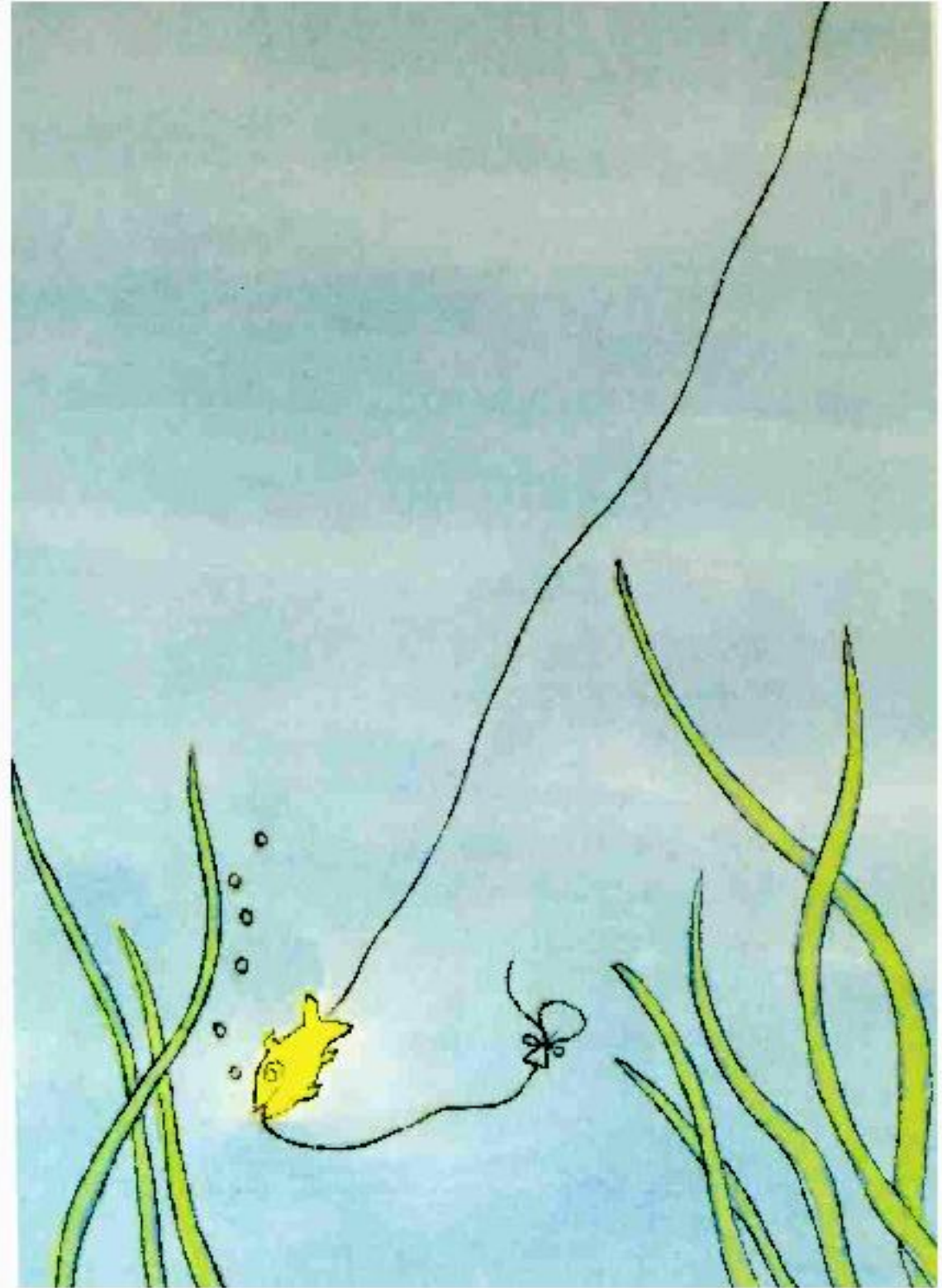
बड़ी बिल्ली ने डोर को झटका दिया.
"जल्दी करो, छोटी मछली,
अपनी दोस्त बड़ी मछली को जल्दी से भेजो.
मुझे बहुत भूख लगी है!” वो चिल्लाई.
छोटी मछली ने डोर को पकड़ा
और उसके साथ उसने नीचे डुबकी लगाई.
"ठीक है, बड़ी बिल्ली," छोटी मछली ने कहा.
"अब तुम डोर को खींचो!"
बड़ी बिल्ली ने डोर को ज़ोर लगाकर खींचा.
खींचने में उसे बहुत दम लगाना पड़ा.
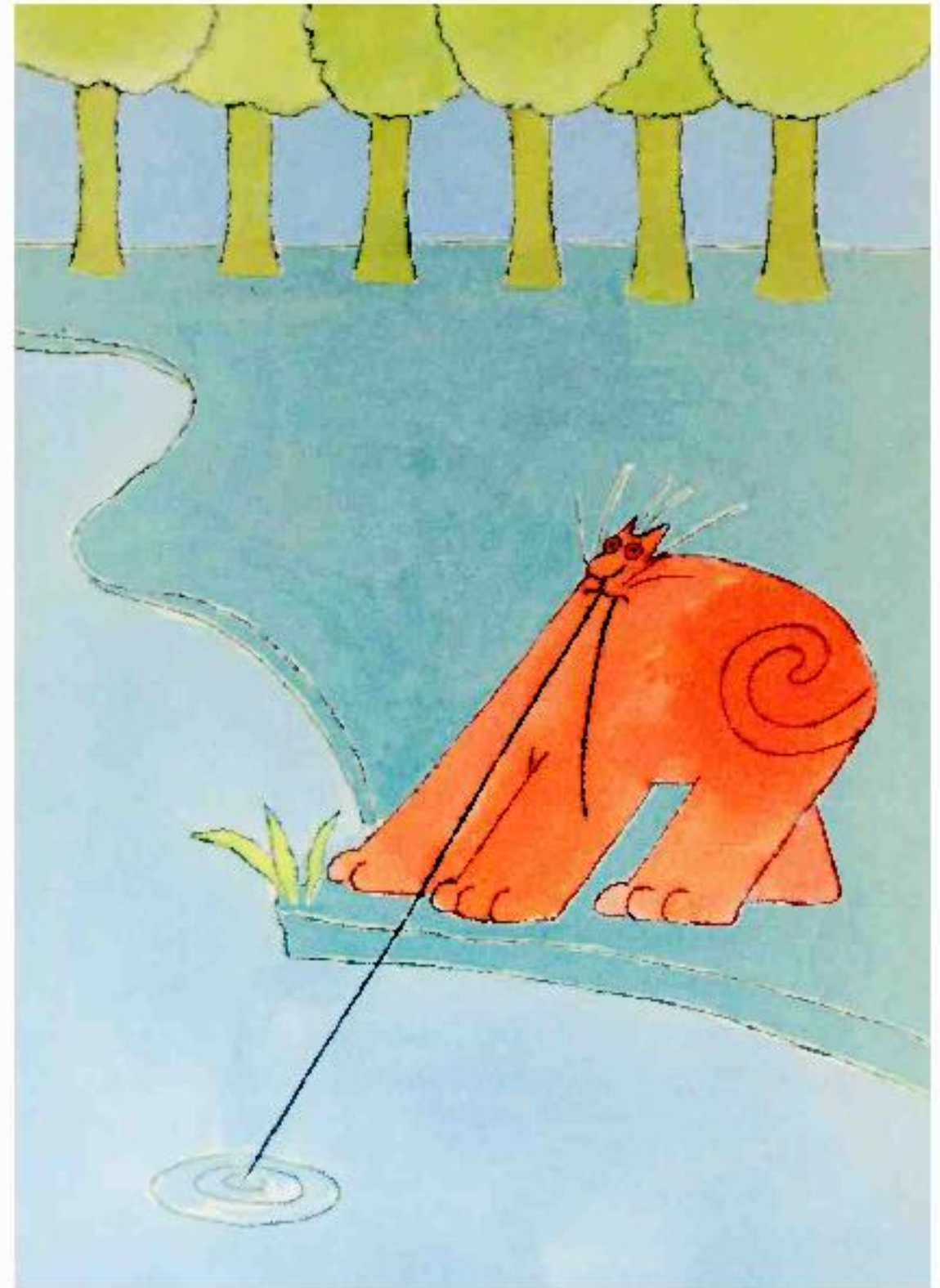
पर अंत में उसके हाथ में एक जंग लगी साइकिल आई!

"तुमने मुझे धोखा दिया!" बड़ी बिल्ली चिल्लाई.

गुस्से में बड़ी बिल्ली ऊपर-नीचे कूदने लगी.

छोटी मछली तैरते हुए हंस पड़ी.

अब वो तालाब के बीचों-बीच थी.

"यह तो बस एक मछली की कहानी थी," उसने गाया.

"बस एक मछली की कहानी ... बड़ी बिल्ली के लिए!"